गुरछर्रे उड़ा रहे हैं और देश की तकसीम के बाद कुर्सियां सम्भाले हुए हैं । मगर जो काम वह कर रहे हैं उसके बावजूद यह ऋषियों और मुनियों की भूमि, गुरुओं की भूमि, पीर पैगम्बरों की भूमि कभी खाली नहीं हो सकती । देश के अन्दर पुनर्मिलन हो कर रहेगा, री-यूनियन हो कर रहेगा । मैं माननीय गृह मंत्री के दीर्घायुष्य की कामना करता हूं, भगवान से प्रार्थना करता हूं कि मेरी उम्र भी दे कर श्री चव्हाण को दीर्घायु करे ।

मैं कुछ सजेशन्स देना चाहता हूं । सब से बड़ी बुजदिली यह है कि हम ने आर्म्स ऐक्ट को रिपील नहीं किया, सब से बड़ी बुजदिली यह है कि हम ने इस शस्त्रों के कानून को आज तक बदला नहीं है । अगर कौम का बच्चा-बच्चा मुसल्ला हो तो हर्गिज लड़ाई नहीं हो सकती, हर्गिज बलवे नहीं हो सकते । हर एक के पास हथियार होगा तो एक को दूसरे का डर होगा । इस लिये आर्म्स ऐक्ट को बदलना चाहिये, हर एक बालिग और सच्चरित्रत आदमी को हथियार रखने की अनुमति दी जाये ।

दूसरे जो दुकानों को साढ़े सात बजे बन्द कर दिया जाता है, डंडे के जोर से दिल्ली के बाजारों को बन्द कर दिया जाता है उस से यह होता है कि **एम्पटी माइन्ड इज दि डेविल्स वर्कशाप** । वह लोग रात को साजिशें करते हैं । अगर हिन्दुस्तान के अन्दर आप को अमन कायम करना है तो लोगों को चौबीस घंटों के लिये काम देना होगा, चौबीस घण्टे देश के लोगों को काम पर लगाना होगा । गीता माता का हुक्म है कि :

> अनिशा सर्व भूतानाम् तस्यां जागर्ति संयमी,
> यस्यां जाग्रति भूतानि सानिशा पश्यतो मुने ।

एवर-ओपन शाप्स होंगी, एवर ओपन-मार्केट्स होंगी, एवर-ओपन आफिसेज एवर ओपन कोर्टस होंगे तभी आप देश को बचा सकते हैं । नहीं तो नहीं बचा सकेंगे । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आर्म्स ऐक्ट को रिपील किया जाय, हर एक बालिग हिन्दुस्तानी को हथियार रखने का हक दिया जाय तो बलवे कतई खत्म हो जायेंगे ।

अध्यक्ष महोदय : अब मिनिस्टर आफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स बिजिनेस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट पेश करेंगे । यह डिबेट कल जारी रहेगा और होम मिनिस्टर साहब इस का जवाब सोमवार को देंगे ।

17.58½ hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FORTYFIRST REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAGHU RAMAIAH) : I beg to present the Fortyfirst Report of the Business Advisory Committee.

17.59 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Friday December 5, 1969 *Agrahayana* 14, 1891 (*Saka*).